शिक्षा का अधिकार

R.N.I. No.-UTTHIN/2014/59625

वर्ष 11 अंक 02 हरिद्वार, बृहस्पतिवार 10 अक्टूबर 2024 पाक्षिक मूल्य 2.00 रुपया पृष्ठ 4

छात्रों को स्वच्छता पर किया जागरूक

- राजकीय जूनियर हाई स्कूल, नकरौदा में स्वच्छता पखवाड़ा समारोह का किया गया आयोजन
- भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के क्षेत्रीय कार्यालय ने किया आयोजन

(शिक्षा का अधिकार ब्यूरो)

देहरादून। भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, क्षेत्रीय कार्यालय देहरादून द्वारा स्वच्छता पखवाड़ा के तहत सोमवार को राजकीय जूनियर हाई स्कूल, नकरौंदा में एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

यह आयोजन उप महानिदेशक संतोष तिवारी के मार्गदर्शन में किया गया। इस कार्यक्रम में पर्यावरण और स्वच्छता के विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श किया गया और छात्रों को इन विषयों पर जागरूक किया गया। कार्यक्रम में एआईजी श्रीमती नीलिमा शाह, वैज्ञानिक ई डॉ. आशीष कुमार और उप निदेशक डॉ. विपिन गुप्ता ने महत्वपूर्ण सत्रों का संचालन किया। स्कूल के प्रधानाचार्य श्री राकेश गौड़ सहित अन्य स्टाफ सदस्य श्रीमती गुरमीत कौर, श्री दीपक रावत, और श्री विकास शाह भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

श्रीमती नीलिमा शाह ने जल संरक्षण पर जोर देते हुए इसे मानव जीवन के लिए अमूल्य संसाधन बताया। उन्होंने बताया कि पानी की बर्बादी रोकने और इसे संरक्षित करने के छोटे-छोटे प्रयासों से बड़ा बदलाव लाया जा सकता है। उन्होंने छात्रों को व्यक्तिगत स्वच्छता और शरीर की सफाई के महत्व के बारे में भी बताया, जिससे न केवल बीमारियों से बचा जा सकता है बल्कि एक स्वस्थ जीवन की ओर भी अग्रसर हुआ जा सकता है। डॉ. आशीष कुमार ने पर्यावरण में प्लास्टिक प्रदूषण की गंभीरता पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने सिंगल यूज़ प्लास्टिक के उपयोग से होने वाले हानिकारक प्रभावों की जानकारी दी और छात्रों को इसके स्थान पर वैकल्पिक, पर्यावरण के अनुकूल विकल्प अपनाने का सुझाव दिया। उन्होंने बताया कि प्लास्टिक का अपघटन बहुत धीमी गति से होता है, जिससे यह मिट्टी, जल और वातावरण को प्रदूषित करता है। इस समस्या को सुलझाने के लिए हर नागरिक को अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए। उप निदेशक डॉ. विपिन गुप्ता ने स्वच्छता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए इसे सामाजिक और व्यक्तिगत स्वास्थ्य के लिए आवश्यक बताया। उन्होंने स्वच्छता पखवाड़ा के विभिन्न पहलुओं पर छात्रों के साथ बातचीत की और स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए एक क्विज़ प्रतियोगिता का आयोजन भी किया। प्रतियोगिता में छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और पर्यावरण-संरक्षण से जुड़े सवालों का उत्तर दिया।

कार्यक्रम के अंत में छात्रों को नेल कटर वितरित किए गए, जिससे वे व्यक्तिगत स्वच्छता का पालन कर सकें। ताजगी के लिए ताज़ा जूस और अन्य खाद्य पदार्थ वितरित किए गए, ताकि छात्रों को स्वस्थ जीवन शैली के प्रति प्रेरित किया जा सके। क्विज़ के विजेताओं को पौधे प्रदान किए गए, जिससे वे पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय रूप से योगदान दे सकें। कार्यक्रम का उद्देश्य न केवल छात्रों को स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक बनाना था, बल्कि उन्हें जीवन में स्वस्थ और टिकाऊ आदतों को अपनाने के लिए प्रेरित करना भी था। इस प्रकार के आयोजनों से बच्चों के बीच स्वच्छता और पर्यावरण के प्रति समझ विकसित की जा सकती है, जो दीर्घकालिक रूप से समाज के लिए फायदेमंद साबित होगी।

विज्ञान प्रदर्शनी में आपदा प्रबंधन में प्रकाशी राणा, प्राकृतिक खेती में पूजा ने मारी बाजी

उत्तरकाशी। पीएमश्री राजकीय कीर्ति इंटर कॉलेज उत्तरकाशी में विज्ञानं महोत्सव का आयोजन संपन्न हो गया। इस वर्ष महोत्सव का मुख्य विषय सतत भविष्य के लिए विज्ञानं और प्रौद्योगिकी रखा गया है। विज्ञान प्रदर्शनी में आपदा प्रबंधन में प्रकाशी राणा जीजीआईसी उत्तरकाशी ने जबकि प्राकृतिक खेती में पूजा कुमारी जीआई ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है। बुधवार को जिला मुख्यालय सहित भटवाड़ी ब्लॉक के विद्यालयों के छात्र- छात्राओं ने विज्ञानं प्रदशनीऔर विज्ञानं ड्रामा में प्रतिभाग किया।

इस दौरान बतौर मुख्य अतिथि खण्ड शिक्षा अधिकारी हर्षा रावत ने छात्र - छात्राओं और विज्ञानं अध्यापकों का मार्गदर्शन करते हुवे कहा कि हमें अपने दैनिक जीवन में विज्ञानं को अपनाना होगा तभी हम और हमारा पर्यावरण स्वच्छ और सुंदर रह सकता है। विज्ञान समन्वयक लोकेन्द्र सिंह परमार ने बताया कि इस वर्ष महोत्सव का मुख्य विषय सतत भविष्य के लिए विज्ञानं और प्रौद्योगिकी रखा गया है जिसके तहत बिभिन्न उपविषयों में विज्ञानं प्रदर्शनी जूनियर वर्ग में उपविषय परिवहन और संचार में रामबीर चौहान जीआईसी उत्तरकाशी, प्राकृतिक खेती में पूजा कुमारी जीआईसी गंगोरी, आपदा प्रबंधन में प्रकाशी राणा जीजीआईसी उत्तरकाशी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया ।संसाधन प्रबंधन में अनीश जीआईसी उत्तरकाशी और रेशमा जीजीआईसी उत्तरकाशी क्रमश: प्रथम और द्वितीय रहें। सीनियर वर्ग उपविषय खाद्य स्वास्थ्य एवं स्वच्छता में मनीषा जीआईसी गंगोरी, आकृति पोखरियाल जीआईसी नेताला, परिवहन एवं संचार में आयुष जीजीआईसी उत्तरकाशी अंकुश राउमावि उत्तरों, प्राकृतिक खेती में आस्था पंवार राउमावि अठाली एवं अमीषा जीआईसी जोशियाडा, आपदा प्रबंधन में प्रियांशु राउमावि मल्ला और राजीव चौहान राउमावि पाटा,गणितीय प्रतिरुपण में अक्षिता सेमवाल जीजीआईसी उत्तरकाशी और काजल रावत जीआईसी नेताला, कचरा प्रबंधन में भूमिका चौहान जीजीआईसी एवं राजीव चौधरी, संसाधन प्रबंधन में अनुज राणा जीआईसी उत्तरकाशी एवं अरमान जीआईसी उत्तरकाशी क्रमश: प्रथम और द्वितीय रहें।

पीजी कॉलेज में मनाया गया गढ़भोज दिवस

हरिद्वार (शिक्षा का अधिकार)। एसएमजेएन पीजी कॉलेज हरिद्वार में आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ द्वारा गढ़भोज दिवस का आयोजन किया गया। गढ़भोज के कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने गढ़वाली और कुमाऊनी दोनों प्रकार के स्वादिष्ट व्यंजनों द्वारा उत्तराखंड की संस्कृति और परंपरा को प्रस्तुत किया। इस अवसर पर छात्र छात्राओं ने गढ़वाली गीतों पर परंपरागत वेशभूषा में अपने मनमोहक नृत्य से सभी को अविभूत किया। इस अवसर उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारी त्रिलोक चंद्र भट्ट ने कहा कि उत्तराखंडी व्यंजनों का राज्य निर्माण आंदोलन में भी बड़ी भूमिका रही हैं। उन्होंने कहा कि ये व्यंजन हमारे राज्य की संस्कृति की परिचायक भी हैं। इस अवसर पर कॉलेज के प्राचार्य प्रो सुनील कुमार बत्रा ने कहा कि गढ़भोज दिवस का आयोजन उत्तराखंड की औषधीय गुणों से भरपूर फसलों से बनने वाले व्यंजनों के प्रचार प्रसार के लिए एक महत्वपूर्ण कदम हैं। प्रो बत्रा ने कहा कि कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं द्वारा दी गई प्रस्तुति उत्तराखंड की संस्कृति को स्पष्ट रूप से दर्शाती हैं। प्रो बत्रा ने कार्यक्रम के अवसर पर उत्तराखंड राज्य के उच्च शिक्षा मंत्री डॉ धन सिंह रावत को उनके जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दी। उन्होंने बताया कि इस तरह के कार्यक्रमों से उत्तराखंड की आर्थिकी को बड़ाने मे भी मद्द मिलेगी इस अवसर वरिष्ठ पत्रकार संदीप रावत ने कहा कि गढ़भोज दिवस के माध्यम से युवा पीढ़ी को पारंपरिक अनाज के विषय में जानकारी मिलती है जो स्वास्थ्य के लिए लाभदायक होती है। कार्यक्रम में आए विजय भंडारी उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारी ने कार्यक्रम की भूरि भूरि प्रशंसा करते हुए कहा कि गढ़वाली व्यंजनों द्वारा छात्र-छात्राओं ने पारंपरिक भोजन का साक्षात्कार कराया है। गढ़भोज दिवस के इस कार्यक्रम में सभी अतिथियों ने उत्तराखंडी व्यंजनों का आनंद लिया एवं छात्र-छात्राओं तथा अन्य प्रतिभागियों का उत्साह वर्धन किया। गढ़भोज दिवस की इस व्यंजन प्रतियोगिता में स्टालों में मंडवे की रोटी, भांग और तिल की चटनी, झिंगोरे की खीर, गेहथ की दाल, उड़द की दाल की पकौड़ी, खीरे का रायता आदि बनाकर प्रस्तुत किया। पारंपरिक व्यंजन प्रतियोगिता में सलोनी तथा सरस्वती ने संयुक्त रूप से प्रथम, खुशी मेहता तथा छाया कश्यप ने संयुक्त रूप से द्वितीय, मोनिका ने तृतीय, आरती, दीक्षा तथा कशिश ने चतुर्थ पुरस्कार प्राप्त किया। जबकि रोनिक, पिंकी वर्मा, वैष्णवी, दिव्यांशु नेगी, ईशा कश्यप, विकास चौहान तथा दिव्यांशु गैरोला को सांत्वना पुरस्कार प्राप्त हुआ। निर्णायक मंडल के रूप में संदीप रावत, विजय भंडारी, मणिकांत त्रिपाठी, बसंत कुमार, ओमप्रकाश माटा, संदीप अग्रवाल,सुनील शर्मा, निशांत वालिया, अभय गर्ग तथा श्रीमती सुदेश आर्या ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के समन्वयक डॉ संजय माहेश्वरी ने कार्यक्रम के संयोजक मंडल की श्रीमती रुचिता सक्सेना, डॉ रजनी सिंघल, डॉ सरोज शर्मा, डॉ पूर्णिमा सुंदरियाल तथा श्रीमती कविता छाबड़ा के सफल प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि आज भागती दौड़ती हुई जिंदगी में मानव स्वास्थ्य के लिए पौष्टिकता से युक्त पहाड़ी भोजन के उपयोग की बहुत आवश्यकता हैं। इस अवसर पर प्रो जे सी आर्य, प्रो विनय थपलियाल, डॉ शिवकुमार चौहान, डॉ मनोज कुमार सोही,डॉ मीनाक्षी शर्मा, डॉ पल्लवी, डॉ लता शर्मा, आकांक्षा पांडे, विनीत सक्सेना, श्रीमती अमिता मल्होत्रा, वैभव बत्रा, डॉ पदमावती तनेजा, प्रशिक्षु गौरव बंसल तथा अर्शिका सहित अनेक छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

पाक्षिक **शिक्षा का अधिकार**
हरिद्वार, बृहस्पतिवार 10 अक्टूबर 2024

सम्पादकीय

एआई में सीखने व शिक्षण की शक्ति

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टेक्नोलॉजी में सीखने और शिक्षण दोनों को अनुकूलित करने की शक्ति है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टेक्नोलॉजी से शिक्षा क्षेत्र के विकास का मार्ग प्रशस्त होता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की भूमिका हर क्षेत्र में बढ़ती जा रही है। कोरोनावायरस महामारी के बाद भारत में शिक्षा के क्षेत्र में काफी बदलाव आए हैं। छात्रों और शिक्षकों समेत सभी लोगों ने प्रौद्योगिकी पर अपने भरोसे को मजबूत किया है। यहां हम आपको कुछ महत्वपूर्ण पॉइंट्स बता रहे हैं, जिनकी मदद से आप यह जान पाएंगे कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टेक्नोलॉजी भविष्य में शिक्षण-प्रशिक्षण तंत्र को कैसे मजबूत करेगी। स्वचालित कार्य शैक्षिक प्रक्रिया में आज भी काफी हद तक काम मैनुअल तरीके से होता है। लेकिन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टेक्नोलॉजी की मदद से ग्रेडिंग, मूल्यांकन, एडमिशन प्रोसेस, प्रगति रिपोर्ट और व्याख्यान के लिए संसाधनों को व्यवस्थित करने जैसे नियमित कार्य आसानी से हो जाएंगे। शिक्षकों के समय-समय पर कार्य पूरे होंगे। छात्रों का कौशल विकसित करने में मदद मिलेगी। व्यक्तिगत शिक्षा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टेक्नोलॉजी यह सुनिश्चित कर सकता है कि शिक्षा व्यक्तियों के लिए व्यक्तिगत हो। छात्रों के लिए पहले से ही अनुकूली शिक्षण सॉफ्टवेयर और डिजीटल कार्यक्रम हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टेक्नोलॉजी न केवल प्रत्येक छात्र की जरूरतों पूरा कर सकता है, बल्कि उन विशिष्ट विषयों को भी पूरा कर सकता है जिन पर उन्हें जोर देना चाहिए। यह प्रत्येक छात्र के लिए एक अद्वितीय और अनुरूप सीखने का मार्ग तैयार करेगा। यूनिवर्सल एक्सेस आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टेक्नोलॉजी स्मार्ट सामग्री बनाने में मदद करेगी। इससे सभी छात्रों को फायदा होगा, इसमें वह छात्र भी शामिल हैं जो देख या सुन नहीं सकते। यह शिक्षक द्वारा कही गई हर बात के लिए छात्रों को रीयल-टाइम उपशीर्षक प्रदान कर सकता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टेक्नोलॉजी उन साइलो को तोड़ सकता है जो छात्रों को आगे बढ़ने से रोकती है। शिक्षक प्रशिक्षण छात्रों को प्रभावी ढंग से ज्ञान प्रदान करने में सक्षम होने के लिए शिक्षकों को अपने कौशल को लगातार अपडेट करना चाहिए। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टेक्नोलॉजी शिक्षकों को उन चीजों पर खुद को अपडेट रखने की अनुमति देगा जो वह नहीं जानते थे। इसके साथ, उनके पास नई पीढ़ी को सिखाने के लिए अधिक गहन और व्यापक ज्ञान का आधार होगा। 24/7 शिक्षार्थी सहायता और ट्यूशन छात्र अपने प्रश्नों को अपनी गति से और शिक्षकों की प्रतीक्षा किए बिना हल कर सकते हैं। जबकि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टेक्नोलॉजी ट्यूटर और चैटबॉट छात्रों को अपने कौशल को तेज करने और कक्षा के बाहर कमजोर स्थानों में सुधार करने में मदद कर सकते हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टेक्नोलॉजी की मदद से शिक्षक अपने अनुभव अधिक प्रभावी ढंग से प्रदान कर सकते हैं। तत्काल प्रतिक्रिया आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टेक्नोलॉजी न केवल अकादमिक/शैक्षिक बोर्डों को एक पाठ्यक्रम तैयार करने में मदद कर सकता है, बल्कि यह पाठ्यक्रम की सफलता के बारे में तत्काल प्रतिक्रिया प्राप्त करने में भी मदद कर सकता है। स्कूल, विशेष रूप से ऑनलाइन निगरानी के लिए और छात्रों के प्रदर्शन के साथ कोई समस्या होने पर शिक्षकों को सतर्क करने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टेक्नोलॉजी सिस्टम का उपयोग किया जा सकता है। स्मार्ट कंटेंट जब कोई शिक्षा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की भूमिका के बारे में सोचता है, तो स्मार्ट कंटेंट हमेशा दिमाग में आता है। स्मार्ट सामग्री वैयक्तिकृत होती है और जनसांख्यिकीय, प्रासंगिक और व्यवहारिक डेटा के अनुसार गतिशील रूप से अपडेट हो सकती है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टेक्नोलॉजी हमारे दैनिक जीवन के साथ साथ विभिन्न क्षेत्रों में एक बड़ा बदलाव ला रही है।

तीन वैज्ञानिकों डेविड बेकर, डेमिस हसबिस और जॉन जम्पर को मिला रसायन नोबेल पुरस्कार

नई दिल्ली। साल 2024 के लिए नोबेल पुरस्कार के विजताओं की घोषणा कर दी गई है। इस साल तीन वैज्ञानिकों डेविड बेकर, डेमिस हसबिस और जॉन जम्पर को प्रोटीन की संरचना का पूर्वानुमान लगाने और उसे डिजाइन करने के उनके बेहतरीन योगदान के लिए रसायन विज्ञान में नोबेल पुरस्कार दिया गया है। रसायन विज्ञान के नोबेल समिति के अध्यक्ष हेनर लिंके ने बताया है कि यह प्रतिष्ठित पुरस्कार अमीनो एसिड अनुक्रम और प्रोटीन संरचना के बीच संबंध स्थापित करने वाले उनके शोध को सम्मानित करने के लिए दिया गया है। समिति के अध्यक्ष ने कहा, इसे दशकों तक रसायन विज्ञान और खास कर बायोकेमिस्ट्री में एक बड़ी चुनौती समझा जाता था। इसलिए इसकी खोज के लिए उन्हें आज सम्मानित किया जाता है। नोबेल विजेता बेकर फिलहाल सिएटल में वाशिंगटन विश्वविद्यालय में कार्यरत हैं। वहीं हसबिस और जम्पर दोनों लंदन में गूगल दीपमाइंड

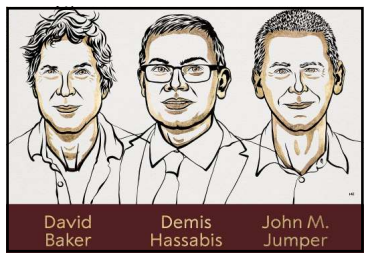

में काम करते हैं। बेकर ने 2003 में एक नया प्रोटीन डिजाइन किया और उसके बाद से उनके शोध समूह ने एक के बाद एक कल्पनाशील प्रोटीन के निर्माण किए हैं। नोबेल समिति ने कहा कि इनमें ऐसे प्रोटीन भी शामिल हैं जिनका उपयोग फार्मास्यूटिकल्स, वैक्सीन, नैनोमटेरियल और छोटे सेंसर के रूप में किया जा सकता है। नोबेल समिति के प्रोफेसर जोहान एक्विस्ट ने कहा, उनके पास जितने डिज़ाइन हैं और उन्होंने जितने डिजाइन बनाए और प्रकाशित किए हैं, उनकी विविधता वाकई अद्भुत है। ऐसा लगता है कि आप इस तकनीक से लगभग किसी भी तरह का प्रोटीन बना सकते हैं। नोबेल समिति ने कहा कि हसबिस और जम्पर ने एक एआई मॉडल बनाया है जो शोधकर्ताओं द्वारा पहचाने गए लगभग सभी 200 मिलियन प्रोटीन की संरचना का अनुमान लगाने में सक्षम है। लिंके ने कहा कि वैज्ञानिकों ने लंबे समय से प्रोटीन की 3ष्ठ संरचना की भविष्यवाणी करने का सपना देखा था। लिंके ने कहा, चार साल पहले 2020 में डेमिस हसबिस और जॉन जम्पर कोड को क्रैक करने में कामयाब रहे। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के कुशल उपयोग से उन्होंने प्रकृति में मौजूद किसी भी ज्ञात प्रोटीन की जटिल संरचना की भविष्यवाणी करना संभव बना दिया। वैज्ञानिकों का एक और सपना नए प्रोटीन बनाना है ताकि हम सीख सकें कि प्रकृति के टूल का उपयोग अपने उद्देश्यों के लिए कैसे किया जाए। उन्होंने कहा, यही वह समस्या है जिसे डेविड बेकर ने हल किया।

अल्मोड़ा व हरिद्वार मेडिकल कॉलेज को मिली एक दर्जन फैकल्टी

देहरादून(शिक्षा का अधिकार)। प्रदेश के राजकीय मेडिकल कॉलेजों में फैकल्टी की कमी को दूर करते हुये राज्य सरकार ने एक दर्जन और मेडिकल फैकल्टी की नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। इनमें से 07 संकाय सदस्यों को सोबन सिंह जीना राजकीय इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस एण्ड रिसर्च, अल्मोड़ा तथा 05 फैकल्टी को राजकीय मेडिकल कॉलेज, हरिद्वारा में संविदा के माध्यम से नियुक्ति दी गई है। मेडिकल कॉलेजों में फैकल्टी की तैनाती से छात्र-छात्राओं के पठन-पाठन जहां सुचारू होगा वहीं मरीजों को भी बेहतर उपचार मिल सकेगा। प्रदेश के राजकीय मेडिकल कॉलेजों में नियमित फैकल्टी की नियुक्ति को लेकर राज्य सरकार लगातार प्रयासरत है। इसके साथ ही चिकित्सा शिक्षा विभाग मेडिकल कॉलेजों में संविदा के माध्यम से फैकल्टी तैनात कर रहा है। इसी कड़ी में हल्द्वानी, श्रीनगर तथा दून मेडिकल कॉलेज के बाद अब सरकार ने राजकीय मेडिकल कॉलेज अल्मोड़ा तथा हरिद्वार में विभिन्न संकायों के एक दर्जन मेडिकल फैकल्टी की नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। अल्मोड़ा मेडिकल कॉलेज को 07 जबकि हरिद्वार मेडिकल कॉलेज को 05 फैकल्टी मिली है। जिसमें अल्मोड़ा मेडिकल कॉलेज में फर्माकलॉजी विभाग में प्रोफेसर पद पर डॉ. नवप्रीत कौर, एनेस्थिसियोलॉजी विभाग में असिस्टेंट प्रोफेसर पद पर डॉ. शैलश कुमार लोहनी, कम्युनिटी मेडिसिन विभाग में असिस्टेंट प्रोफेसर में डा. अंशुल ममगांई तथा मेडिकल ऑफिसर पद पर डॉ. पूनम गडकोटी व डा. अक्षय राजवार शामिल हैं। ऑब्स एंड गायनी विभाग में असिस्टेंट प्रोफेसर पद पर डा. ममता सौटियाल तथा डा. एकता रावत का चयन किया गया है दोनों को पीजी डिग्री प्राप्त होने के उपरांत नियुक्ति पत्र निर्गत किया जायेगा। इसी प्रकार राजकीय मेडिकल कॉलेज हरिद्वार में फर्माकलॉजी विभाग में असिस्टेंट प्रोफेसर पद पर डॉ. सौम्या पाण्डे, जनरल सर्जरी में डा. महिम खान, एनेस्थिसिया में डा. प्रियंका कश्यप, एनाटॉमी में डॉ. हिना फातिमा तथा अर्बन हैल्थ ट्रेनिंग सेंटर में मेडिकल ऑफिसर पद पर डा. कीर्ति बंसल को नियुक्ति दी गई है। सभी अभ्यथियों का चयन हेमवती नंदन बहुगुणा उत्तराखंड चिकित्सा शिक्षा विश्वविद्यालय के कुलपति की अध्यक्षता में गठित साक्षात्कार समिति द्वारा वॉक-इन-इंटरव्यू के माध्यम से किया गया है। चयनित अभ्यर्थियों को संविदा के आधार पर नियुक्ति प्रदान की गई है। मेडिकल कॉलेज में चयनित फैकल्टी तथा मेडिकल ऑफिसर को तीन वर्ष अथवा उक्त पदों पर नियमित नियुक्ति होने तक जो भी पहले हो के लिये नियुक्त किया गया है। राजकीय मेडिकल कॉलेज अल्मोड़ा तथा हरिद्वार में संकाय सदस्यों की नियुक्ति से शैक्षणिक गतिविधियों में जहां सुधार होगा वहीं मेडिकल कॉलेज के अस्पतालों में आने वाले मरीजों को बेहतर इलाज मिल सकेगा।

इस विषय पर बयान जारी करते हुए चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि राजकीय मेडिकल कॉलेजों में फैक्लटी के शत-प्रतिशत पदों का भरा जायेगा। इसके लिये सरकार प्रयासरत है। हल्द्वानी, श्रीनगर तथा दून मेडिकल कॉलेज के साथ ही अब अल्मोड़ा और हरिद्वार में भी एक दर्जन संकाय सदस्यों की नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। हमारा मकसद मेडिकल कॉलेजों में गुणवत्तापरक शिक्षा के साथ-साथ बेहतर चिकित्सकीय उपचार मुहैया कराना है।

फास्ट फूड शरीर के लिए हानिकारक

भीमताल/रामगढ़(शिक्षा का अधिकार)। राजकीय महाविद्यालय रामगढ़ में गणभोज दिवस का आयोजन किया। प्राचार्य प्रोफेसर नगेंद्र द्विवेदी ने इस अवसर पर छात्र-छात्राओं से आवाह्न किया कि वह पाश्चात्य संस्कृति से ओतप्रोत फास्ट फूड को छोड़कर पौष्टिक भोजन की ओर बढ़ें और अपनी थाली में पौष्टिक भोजन की मात्रा को बढ़ाएं। फास्ट फूड शरीर के लिए हानिकारक है इस बात को हमें समझना ही होगा। उन्होंने उत्तराखंड के पौष्टिक और विटामिनों से भरे हुए व्यंजनों को प्रमुखता से प्रचार प्रसार करने की अपील छात्राओं से की। गणभोज कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉक्टर हरीश चन्द्र जोशी ने झुंगर ,मड़वा गहत ,भट्ट, नींबू, गलगल, कड़ी पत्ता ,राम करेली आदि खाद्य पदार्थों का जिक्र कर छात्र-छात्राओं से आह्वान किया कि इन खाद्य पदार्थों में व्यापक मात्रा में पौष्टिकता होती है और हमें इनका प्रचार प्रसार करना

चाहिए न केवल राज्य स्तर पर बल्कि राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी इनका प्रचार प्रसार करना चाहिए ।मडुवा जिसने रागी के रूप में आज अंतरराष्ट्रीय स्तर पर धूम मचा रखी है, हमारा दायित्व है कि हम मडुवे की खेती को और बढ़ावा दें । झूगर की खेती को बढ़ावा दें ।अपने आने वाली पीढ़ी को उत्तराखंड के खाद्य पदार्थ और उनकी खेती के और उन्मुख करें ।

उत्तराखंड में कृषि उत्पादों में तमाम रोजगार के अवसर विद्यमान है। आवश्यकता है जुटने की, जुड़ने की सरकार इन समस्त खाद्य पदार्थों के लिए बाजार उपलब्ध कराने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है।

दिल की बीमारी और बेबस बच्ची....

डॉ. शिवा अग्रवाल

बात उन दिनों की है ज़ब मेरी नियुक्ति एकड़ खुर्द गाँव में हुई थी। इंफ्रास्ट्रक्चर के लिहाज से अब विद्यालयों में काफी बदलाव आ चुके हैं और संसाधनों की भी उतनी कमी नहीं। तब गिने चुने कमरे और बैठने की व्यवस्था भी टाट पट्टी पर होती थी। बच्चों की संख्या काफी थी। हर दिन की तरह इंटरवल में हम स्टाफ के साथ बरामदे में बैठते थे जिससे मैदान में खेल रहे बच्चों पर भी नजर जाती रहे। एक बात कई दिनों से नोटिस कर रहा था कि कक्षा 3 कि जैनम बड़े उत्साह से खेलने जाती और थोड़ी देर में ही वापिस आकर एक कोने से दूसरे बच्चों को खेलते हुए देखती रहती। एक दिन वह अन्य लड़कियों के साथ पकड़म पकड़ाई खेल रही थी। थोड़ी देर भागने के बाद ही जैनम की सांस बहुत तेज चलने लगी और वह एक तरह से गिर गई। मैंने बच्ची को बैठाया और पानी पिलाया। एक ही तरह के सिम्पटम्स प्रतिदिन देखने से मुझे लगा की जैनम को कोई दिक्कत जरूर है। मैंने जैनम को कहा की वह अपने अम्मी या अब्बू को लेकर आये। कहे कई दिन बीत गए और जैनम के घर से कोई नहीं आया। मुझे अजीब लगा पर मैंने एक बार फिर जैनम को अपने अब्बू के साथ स्कूल आने को कहा। अगले दिन रविवार था सोमवार को जैनम के अब्बू स्कूल आये। मैंने जैनम को लेकर उनसे काफी बातचीत की। बड़ा परिवार और उस पर लड़की शायद एक पिता के लिए बेपरवाह होने का कारण था।

यह बात अटपटी लग सकती है पर गाँव में अभिभावक अपने बच्चों के प्रति उतना संवेदनशील नहीं होते ऐसा मेरा अनुभव रहा है इसके कारणों पर तो खैर नहीं जा रहा। मैंने जैनम के अब्बू से कहा की वह मेरे कहने से एक बार बच्ची का चेकअप करा लें। हमारे विद्यालयों में यह व्यवस्था होती है की स्कूल हेड बच्चे को सरकारी चिकित्सा के लिए रेफर कर सकते हैं। बच्ची को जिला चिकित्सालय भेजा गया जहाँ से उसे पीपीपी मोड पर चल रहे देहरादून स्थित फोर्टिस एस्कॉर्ट के लिए रेफर किया गया। देहरादून में डॉ. योगेंद्र सिंह से बात की गई। जैनम का परीक्षण हुआ तो पता चला की उसके स्वास्थ्य को लेकर आशंका निर्मूल नहीं है। डॉ. सिंह ने बताया की उसके दिल में छेद है तथा सर्जरी की आवश्यकता है। अब यहाँ से जैनम की परेशानी और बढ़ गयी। जैनम के परिजन उसका ऑपरेशन कराने से इंकार करने लगे। उसके पिता का तर्क था कि एक लड़की नहीं भी बचेगी तो कोई बात नहीं। यह स्थिति बहुत असहज थी। अपने साथी अध्यापक की मदद से जैनम के अब्बू की कई बार काउंसलिंग की गयी।

ढाई महीने के बाद वह राजी हुए और जैनम का ऑपरेशन हुआ जो सफल भी रहा। अपने कार्यक्षेत्र में संलग्न रहकर किसी की मदद करने से बड़ी कोई संतुष्टि नहीं हो सकती। प्राइमरी स्कूलों में हम प्रतिदिन किसी न किसी समस्या का सामना कर रहे होते हैं। यह समस्या पाठ्यक्रम से इतर ही होती है। बच्चों को उनके निजी कारणों से दूर रखते हुए शिक्षा की मुख्यधारा में शामिल करना बड़ी चुनौती है।

गढ़वाल विवि ने गेस्ट टीचरों का मानदेय बढ़ाकर दिया दीपावली तोहफा

❍ 70 के लगभग गेस्ट टीचरों को मिलेगा अब 35 हजार मानदेय ❍ 11 हजार रूपये की हुई बढ़ोत्तरी, छह साल बाद बढ़ा गेस्ट फैकल्टी का मानदेय

श्रीनगर(शिक्षा का अधिकार)। एचएनबी गढ़वाल केन्द्रीय विवि में पढ़ा रहे गेस्ट टीचरों का आखिरकार गढ़वाल विवि प्रशासन ने मानदेय छह साल बढ़ा ही दिया। गेस्ट टीचरों को 24 हजार की जगह अब 35 हजार मानदेय हर माह मिलेगा। लगभग 11 हजार की बढ़ोत्तरी गढ़वाल विवि प्रशासन द्वारा की गई। मानदेय में बढ़ोत्तरी होने से विगत 15-12 सालों से पढ़ा रहे गेस्ट टीचरों को गढ़वाल विवि प्रशासन ने दीपावली का तोहफा देकर खुशी दी है। मानदेय बढ़ने से विवि के 70 के लगभग गेस्ट टीचरों को लाभ मिलेगा।

विदित है कि गढ़वाल केन्द्रीय विवि बनने के बाद 2009 से कई गेस्ट टीचर गढ़वाल विवि के कैंपसों में पढ़ा रहे है। 15 हजार से शुरुआत करने वाले गेस्ट टीचरों का मानदेय विवि प्रशासन ने लगातार बढ़ाया है। 15 हजार के बाद गेस्ट टीचरों का मानदेय पूर्व कुलपति द्वारा द्वारा 19500 बढ़ाया गया। जिसके बाद वर्ष 2018 में पूर्व कुलपति डॉ. जेएल कौल द्वारा 24 हजार किया गया। जिसके बाद विगत छह सालों से गेस्ट टीचरों से पढ़ने वाले छात्र ही गेस्ट टीचरों का मानदेय बढ़ाने की मांग कर रहे थे। 24 हजार की जगह 35 हजार मानदेय को लेकर आंदोलित भी थे। लगभग छह साल बाद विवि प्रशासन ने गेस्ट टीचरों को दीपावली का तोहफा देकर 35 हजार मानदेय करने की संस्तुति दे दी है। इससे गढ़वाल विवि में पढ़ाने वाले गेस्ट टीचरों में खुशी का माहौल है। गढ़वाल विवि की कुलपति प्रो. अन्नपूर्णा नौटियाल के कार्यकाल में सबसे अधिक 11 हजार रूपये की बढ़ोत्तरी हुई है।

गेस्ट टीचरों का मानदेय 24 हजार से 35 हजार किये जाने की संस्तुति विवि की कुलपति समेत विवि के वित्त विभाग द्वारा दे दी गई है। लगभग 70 टीचरों को बढ़ें हुए मानदेय का लाभ मिलेगा। इसी माह से मानदेय देने की प्रक्रिया शुरु की जायेगी।

-प्रो. एनएस पंवार,
कुलसचिव गढ़वाल विवि।

आठ घंटे अफसरों का घेराव कर बढ़ाया मानदेय : वीरेन्द्र

जय हो संगठन के छात्र नेता वीरेन्द्र बिष्ट ने बताया कि गेस्ट टीचरों का मानदेय बढ़ाने के लिए पूर्व की भांति सोमवार को भी विवि के कुलसचिव कार्यालय पर आठ घंटे तक धरना देने के साथ ही अधिकारियों का घेराव किया गया। जिसके बाद विवि की कुलपति के आदेश पर गेस्ट टीचरों का मानदेय 35 हजार करने की संस्तुति दी गई। उन्होंने सभी गेस्ट टीचरों को बधाई देते हुए कहा कि छात्र व शिक्षकों की समस्याओं के लिए हमेशा आगे रहेगे। इस मौके पर पुनीत अग्रवाल, हरेन्द्र, हर्षित, सृष्ठि, मानव, तनुजा, अमन, अकांशा आदि मौजूद थे।

एमएलटी विभाग के छात्रों ने किया एम्स का शैक्षिक भ्रमण

ऋषिकेश। पंडित ललित मोहन शर्मा श्रीदेव सुमन उत्तराखंड विश्वविद्यालय परिसर ऋषिकेश के माइक्रोबायोलॉजी, एम.एल.टी.विभाग के छात्र छात्राओं ने एम्स ऋषिकेश का शैक्षिक भ्रमण किया जिसमें उन्होंने माइक्रोबायोलॉजी, बायोकेमेस्ट्री तथा पैथोलॉजी प्रयोगशालाओं मे अत्याधुनिक उपकरण तथा उनकी कार्यशैली के बारे में जानकारी प्राप्त की इस शैक्षणिक भ्रमण में एम्स ऋषिकेश की जीव रसायन विज्ञान की विभागाध्यक्ष डॉ.अनीशा आतिफ मिर्जा व सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग के आचार्य डॉ0 योगेंद्र प्रताप मथुरिया के निर्देशन में छात्र-छात्राओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया डॉ.अविनाश द्वारा जीव रसायन बायोकेमेस्ट्री विभाग में लीवर जांच, किडनी एवं हार्मोन आदि जैसे जैव रासायनिक जांच का परीक्षण के तरीकों के बारे में बताया।

डॉ.मीनाक्षी ने सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग में सिरोलॉजी, बैक्टीरियोलॉजी व टीबी लैब के बारे में छात्र-छात्राओं को अवगत कराया जिसके अंतर्गत डेंगू, मलेरिया, टाइफाइड जैसी बीमारियों की जांच की जाती है डॉ.मीनाक्षी ने छात्र छात्राओं को सभी परीक्षण में प्रयुक्त उपकरणों के बारे में विस्तारपूर्वक बताया डॉ.श्रीदेवी ने विकृति विज्ञान पैथोलॉजी लैब के बारे में बताया व रुधिर जांच संबंधी प्रयोग प्रयोगात्मक विधि के बारे में जानकारी दी एवं संबंधित उपकरणों के बारे में समझाया जैसे एक्यूस्टार सेवरों, अल्फा सिस्मेक्स, ईएसआर और एयरोस्पेस हेमेटोलॉजी प्रो जैसे आधुनिक उपकरणों के बारे में बताया।

इस मौके पर पंडित ललित मोहन शर्मा परिसर ऋषिकेश के विज्ञान संकायाध्यक्ष व सूक्ष्मजीव विज्ञान, एमएलटी के समन्यवक प्रो.गुलशन कुमार ढींगरा ने एम्स ऋषिकेश की निदेशक प्रो मीनू सिंह व डीन एकेडमिक प्रो जय चतुर्वेदी का हमारे परिसर के छात्रों को इस अवसर को प्रदान करने के लिए आभार व धन्यवाद ज्ञापित किया श्रीदेव सुमन उत्तराखंड विश्वविद्यालय परिसर के कुलपति प्रो.एन.के.जोशी जी ने कहा कि शैक्षणिक भ्रमण विद्यर्थियों के लिए एक सुखद अनुभव होता है जिसमें वे कक्षा से बाहर की गतिविधियों में शामिल होते हैं, इससे उनकी बौद्धिक क्षमता का विस्तार होता है पंडित ललित मोहन शर्मा परिसर ऋषिकेश के निदेशक प्रो.एम.एस.रावत ने कहा कि विगत वर्ष एम्स, ऋषिकेश व हमारे संस्थान काएम ओ यू हुआ था जिसके तहत दोनो संस्थान उक्त शैक्षणिक गतिविधि में शामिल हुए हैं, भविष्य में भी दोनो संस्थान इस प्रकार के शैक्षिक भ्रमण व अन्य आयोजन करेंगे, जिससे सभी छात्र-छात्राओं को लाभ मिलेगा इस मौके एम एल टी और एम एस सी के 30 छात्र- छात्राएं उपस्थित रहें व इस भ्रमण से अत्यधिक उत्साहित हुए।

श्रीदेव सुमन विश्वविद्यालय की परीक्षा की मूल्यांकन प्रणाली पर उठने लगे सवाल

वाणिज्य संकाय के चौथे सेमेस्टर में 77 में से 73 छात्रों को कर दिया फेल

(शिक्षा का अधिकार)

उत्तरकाशी। पीजी कॉलेज उत्तरकाशी वाणिज्य संकाय के चौथे सेमेस्टर के इनकम टैक्स विषय में 77 छात्रों में से 73 छात्रों को फेल कर दिया गया है। मात्र 4 छात्रों को उक्त विषय में पास किया गया है । जिससे श्रीदेव सुमन विश्वविद्यालय की परीक्षा की मूल्यांकन प्रणाली पर सवाल उठने लगे है। छात्रों का कहना है कि प्रश्नपत्र को बेहतर हल किया गया है, लेकिन सभी छात्र परीक्षा परिणाम से असंतुष्ट है । उक्त विषय में फेल होने वाले छात्रों में अधिकांश छात्र कक्षा सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले छात्र भी शामिल है ।

इधर राम चंद्र उनियाल राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय उत्तरकाशी के प्राचार्य प्रो पंकज पंत ने बताया कि छात्रों ने देरी से मामले की जानकारी दी है। उन्होंने कहा जल्द हम इस मामले में विश्व विद्यालय के कुल सचिव व परिक्षा नियंत्रणक से बातचीत करेंगे। गौरतलब है कि इससे पूर्व भी इस प्रकार के परीक्षा परिणाम आ चुके है जिसमें एक कक्षा के 95 प्रतिशत से अधिक छात्रों को एक विषय में फेल किया गया था। वहीं श्रीदेव सुमन विश्वविद्यालय की उत्तरपुस्तिका जांच प्रणाली पर बार - बार छात्र प्रश्नचिन्ह लगा रहे है । जिसका छात्रों ने पूर्व में भी विरोध किया है। उधर छात्र संगठन ने महाविद्यालय के बीकॉम (वाणिज्य संकाय) के चौथे सेमेस्टर में अध्यनरत छात्रों की इस प्रमुख समस्या के निराकरण हेतु प्राचार्य महाविद्यालय के माध्यम से विश्वविद्यालय को ज्ञापन भेजा गया है जिसमे उक्त विषय में पुन: उत्तरपुस्तिका के जांच वा मूल्यांकन की मांग की गई है। विनय मोहन चौहान छात्र नेता छात्र संगठन ने कहा जल्द समय रहते विश्वविद्यालय द्वारा कार्यवाही न किए जाने पर छात्र उत्तर पुस्तिकाओं की प्रति के साथ न्यायलय की शरण लेने को विवश होंगे।

समाजसेवी भूपेंद्र कुमार ने कन्या विद्यालय को प्रदान किए कंप्यूटर

हरिद्वार। समाजसेवी भूपेंद्र कुमार ने कनखल स्थित राजकीय कन्या उच्चतर माध्यिमक विद्यालय को 2 कंप्यूटर, 5 दरी और 25 पेटी खाद्य सामग्री प्रदान की। विद्यालय प्रबंधन ने भूपेंद्र कुमार का आभार व्यक्त किया। विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान भूपेंद्र कुमार ने कहा कि हर बच्चे को शिक्षा प्राप्त करने का अधिकार है। बच्चे शिक्षित होकर, स्कूल, माता पिता और समाज का नाम रोशन करेंगे। भूपेंद्र कुमार ने कहा कि आज के तकनीकी दौर में कंप्यूटर का ज्ञान प्रत्येक बच्चे के लिए बेहद जरूरी है। विद्यालय की प्रधानाचार्य सीमा कुकरेजा ने समाजसेवी भूपेंद्र कुमार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विद्यालय को कंप्यूटर और दरी की आवश्यकता थी। जिसे समाजसेवी भूपेंद्र कुमार की ओर से उपलब्ध कराया गया है।

शिक्षा मंत्री और विधायक रूद्रप्रयाग ने बांटे शिक्षकों को नियुक्ति पत्र

❍ 135 चयनित पौड़ी, चमोली और रूद्रप्रयाग के सहायक अध्यापकों को सौंपे नियुक्ति पत्र

❍ शिक्षा मंत्री बोले, अभी तक शिक्षा विभाग में साढ़े 14 हजार लोगों को दी जा चुकी नियुक्ति

(शिक्षा का अधिकार)

श्रीनगर। प्रदेश के शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने मेडिकल कॉलेज में आयोजित सहायक अध्यापक के नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम में शिरकत कर पौड़ी, रूद्रप्रयाग और चमोली जिले के 135 सहायक अध्यापकों को नियुक्ति पत्र देकर बधाई दी। इस मौके पर विधायक रूद्रप्रयाग भरत सिंह चौधरी ने भी नियुक्ति पत्र लेने वाले रूद्रप्रयाग जिले के सभी शिक्षकों को बधाई देते हुए शिक्षा मंत्री का शिक्षकों की नियुक्ति करने पर आभार जताया। भ्रमण कार्यक्रम के दौरान शिक्षा मंत्री ने राइंका एवं जूनियर हाईस्कूल स्वीत के भवन मरम्मत एवं अनुरक्षण कार्य का लोकापर्ण किया। इस अवसर पर शिक्षा मंत्री ने कहा कि प्रत्येक स्कूल में सभी सुविधाएं दी जा रही है। वहीं दिखोल्यूं प्राथमिक विद्यालय पर होने वाले कार्य का शिलान्यास किया। इसके बाद नगर निगम क्षेत्रान्तर्गत श्रीकोट रामलीला मैदान के क्षतिग्रस्त बाउंड्रीवॉल के निर्माण कार्य का लोकापर्ण,

वार्ड 19 में काली मंदिर जाने वाले रास्ते के सुधारीकरण कार्य का शिलान्यास, भाजपा अनूसचित मोर्चा की बैठक में प्रतिभाग किया। इस मौके पर भाजपा मंडल अध्यक्ष जितेन्द्र धिरवाण, डीईओ नागेन्द्र बर्त्वाल, अजय कुमार चौधरी, धर्म सिंह रावत, खंड शिक्षाधिकारी अश्वनी रावत, सीएमओ पौड़ी डॉ. प्रवीन कुमार, मीडिया प्रभारी गणेश भट्ट, भूपेन्द्र भंडारी आदि मौजूद थे।

भारतीय जागरूकता समिति ने छात्र-छात्राओं को दी कानून की जानकारी

हरिद्वार। भारतीय जागरूकता समिति ने जमदग्नि पब्लिक स्कूल लक्सर में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन कर छात्र-छात्राओं को कानूनी जानकारियों से अवगत कराया। शिविर में मुख्य अथिति जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव सिमरनजीत कौर, टीटीओ लक्सर रामिन्द्रलाल सैनी, भारतीय जागरूकता समिति के अध्यक्ष एवं हाईकोर्ट के अधिवक्ता ललित मिगलानी, सीपीयू के एसआई सुनील नेगी, लकसर कोतवाली के एसआई मनोज शर्मा व लोकपाल परमार, एटीसी इंस्पेक्टर प्रीतम सिंह एवं एसआई संजय गौर मौजूद रहे। स्कूल के वाईस प्रिसिपल अमित कुमार एवं एकेडमिक कोऑर्डिनेटर राजेंदर शर्मा ने सभी का स्वागत किया। हाईकोर्ट के अधिवक्ता ललित मिगलानी ने छात्र-छात्राओं को साइबर क्राइम के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि साइबर क्राइम एक्सपर्ट द्वारा किया जाने वाला क्राइम है। साइबर अपराधी बड़ी चालाकी से ठगी को अंजाम देते हैं। आज कल साइबर अपराधियों ने एक नया तरीका अपनाया है। जिसे वे ऑनलाइन अरेस्ट का नाम देते है। जबकि कानून में कही भी ऑनलाइन अरेस्ट का कोई प्रावधान नहीं है।

विज्ञान आधारित मॉडल में न्यू सुमन ग्रामर इण्टर कॉलेज बड़कोट का रहा दबदबा

❍ जलवायु परिवर्तन थी इस वर्ष के विज्ञान महोत्सव कार्यक्रम की थीम ❍ बड़कोट में सीमान्त जनपद विज्ञान महोत्सव सम्पन्न

उत्तरकाशी (शिक्षा का अधिकार)। सीमान्त जनपद विज्ञान महोत्सव के तृतीय संस्करण का ब्लॉक स्तरीय आयोजन न्यू सुमन ग्रामर इण्टर कॉलेज बड़कोट में सम्पन्न हो गया। विज्ञान आधारित मॉडल जूनेर वर्ग से मानसी पंवार और सीनियर वर्ग से अनुज ने बाजी मारी दोनों छात्र समुन ग्रामर इंटर कॉलेज बड़कोट है।शनिवार को कार्यक्रम का बतौर मुख्य अतिथि डॉ0 कपिल देव रावत, विशिष्ट अतिथि श्रीमती विजयलक्ष्मी रावत प्रधानाचार्य रा0 बालिका इण्टर कालेज बड़कोट ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। इस दौरान डॉ. कपिल देव रावत ने सभी बाल वैज्ञानिकों को शुभकामनाएं प्रेषित कर जलवायु परिवर्तन में हो रहे बदलाओ में चिंता जाहिर करते हुए इस के सकारात्मक परिणाम की अपेक्षा की है। कार्यक्रम में ब्लॉक समन्वयक जनक सिंह रावत ने वैज्ञानिक दृष्टिकोण के महत्व को रखा। कार्यक्रम के संयोजक न्यू सुमन ग्रामर इण्टर कालेज बड़कोट के प्रधानाचार्य देवेन्द्र सिंह राणा ने आये हुए सभी अतिथियों का आभार व्यक्त कर सभी छात्र-छात्राओं को शुभकामना दी।

बता दें कि इस वर्ष के विज्ञान महोत्सव कार्यक्रम थीम जलवायु परिवर्तन, प्राकृतिक जल संसाधन एवं संरक्षण का एकीकरण- सतत भविष्य के लिए एक मार्ग पर केन्द्रित है, इसका उद्देश्य जलवायु परिवर्तन प्राकृतिक जल संसाधन एवं संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा को बढ़ावा देना है। और ऐसी रणनीति विकसित करना है जो पहाड़ी क्षेत्रों में एक स्थायी और स्थिति स्थापित भविष्य सुनिश्चित करे। इसके अन्तर्गत आयोजित प्रतियोगिता में

कविता पाठ हिन्दी (जूनियर), कु0 अर्चना रा030का0 बनिए, शक्ति राजगढ़ी कविता पाठ हिन्दी (सीनियर), नीरज राणा कण्डारी, प्राची डामटा कविता पाठ अंग्रेजी (जूनियर) मानसी पंवार सुमन ग्रामर, आरुषि पंवार डामटा कविता विज्ञान पाठ अंग्रेजी (सीनियर),शिवानी उनियाल राईका नौगाँव, स्नेहा रावत, विज्ञान आधारित मॉडल (जूनियर) मानसी पंवार सुमन ग्रामर, विज्ञान पर आधारित मॉडल (सीनियर) वर्ग से अनुज सुमन ग्रामर, के छात्र- छात्राओं ने बाजी मारी है।

कार्यक्रम में वीरेन्द्र बसियाल, डॉ0 मनमोहन सिंह रावत, हिमानी पूरी, रतन लाल काला, एस0एस0 रावत, राजेश बिजल्वाण, उदयचन्द कुमांई, हरदेव असवाल, श्याम सिंह चौहान, सुरेश असवाल, श्रीमती कपिला रावत, रोशन बर्तवाल, रविन्द्र रावत, आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन विनोद रावत सह समन्वयक व राधेश्याम नौटियाल ने संयुक्त रूप से किया।

उत्तराखंड के पारंपरिक व्यंजनों के संरक्षण के लिए गढ़ भोज दिवस का आयोजन

श्यामपुर/लालढांग(शिक्षा का अधिकार) : राजकीय मॉडल महाविद्यालय मीठी बेरी और राजकीय इंटर कॉलेज श्यामपुर में गढ़ भोज दिवस का आयोजन धूमधाम से किया गया। सोमवार को आयोजित किए गए इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य उत्तराखंड के पारंपरिक खाद्य पदार्थों को पहचान दिलाना और इनसे होने वाले पौष्टिक लाभों से लोगों को अवगत कराना था। राजकीय मॉडल महाविद्यालय मीठी बेरी में आयोजित इस कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. अर्चना गौतम ने किया। उन्होंने कहा, उत्तराखंड का पारंपरिक भोजन, विशेषकर यहां की जलवायु के कारण, स्वादिष्ट, पौष्टिक और औषधीय गुणों से भरपूर है। इस प्रकार के आयोजन के माध्यम से हम न केवल इन व्यंजनों को पहचान दिला सकते हैं बल्कि इसे पहाड़ के लोगों की आर्थिक उन्नति का जरिया भी बना सकते हैं। अक्टूबर महीने में यह कार्यक्रम आयोजित करने का मुख्य कारण यही है कि इस समय राज्य की फसलें तैयार होकर खेतों से घर पहुंचती हैं। प्राचार्य ने कार्यक्रम के दौरान गढ़ भोज दिवस के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए बताया कि सामाजिक कार्यकर्ता और हिमालय पर्यावरण जड़ी बूटी एग्रो संस्थान जाड़ी के सचिव द्वारिका प्रसाद सेमवाल ने पारंपरिक व्यंजनों को बढ़ावा देने का अभियान चलाया था, जिसका मुख्य उद्देश्य

मोटे अनाज, विशेषकर बाजरा, की खेती को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम के दौरान डॉ. सुनीता बिष्ट ने संचालन किया और बताया कि अब उत्तराखंड के सांस्कृतिक मेलों में गढ़ भोज के स्टॉल पर मडुवे का हलवा, झंगोरे की खीर, गहत का फनू और गहत की रोटी जैसे पारंपरिक व्यंजन परोसे जाते हैं। इस अवसर पर निबंध प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें लवकुश ने पहला , विविधता ने दूसरा और अंकित रावत ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम में प्रो. सत्येंद्र कुमार, डॉ. आशुतोष मिश्रा, डॉ. सुनील कुमार, डॉ. अरविंद वर्मा, डॉ. कुलदीप चौधरी, डॉ. देशराज, डॉ. सुमन पांडे,शशिधर उनियाल, पूनम,कुलदीप और सूरज आदि सहित कालेज के छात्र-छात्राओं ने सहभागिता की। इसी के साथ ही राजकीय इंटर कॉलेज श्यामपुर में भी गढ़ भोज दिवस का आयोजन मिड डे मील प्रभारी रमेश चंद्र जोशी के मार्गदर्शन और प्रधानाचार्य महेंद्र लाल के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर विद्यालय में मध्याहन अवकाश के समय झंगोरे की खीर व गहत की रोटी आदि पारंपरिक व्यंजन छात्रों की थाली में परोस कर छात्रों को इनके स्वाद से रूबरू करते हुए पौष्टिक खाद्य पदार्थों का महत्व समझाया गया। प्रधानाचार्य महेंद्र लाल ने इस तरह के आयोजनों को उत्तराखंड की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को सहेजने का माध्यम बताया।

जीजीआईसी में मनाया गढ़भोज दिवस

डोईवाला। राजकीय बालिका इंटर कॉलेज रानी पोखरी डोईवाला देहरादून में गढ़भोज दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। जिसमें गढ़भोज से निरोगी काया विषय पर वाद- विवाद तथा नि:बंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसके अंतर्गत पारंपरिक गढ़वाली पकवानों के महत्व से छात्राओं को अवगत कराया गया। गढ़ भोज दिवस के अवसर पर विद्यालय में मध्याहन भोजन में गुड़ के गुलगुले, आलू के गुटके, भात, चौसा और झंगोरा की खीर छात्राओं को परोसी गई। बच्चों ने अपने पारंपरिक भोजन को बड़े चाव से खाया। विद्यालय में इस अवसर पर निबंध प्रतियोगिता तथा वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन कर सभी छात्रों को अपने पारंपरिक भोजन की उपयोगिता तथा पौष्टिकता के कारण इसे अपनाने हेतु प्रेरित किया गया। छात्राओं ने स्थानीय वेशभूषा में गढ़वाल के भोजन के सम्बंध में निकटवर्ती क्षेत्र के निवासियों से सम्पर्क कर उन्हें प्रेरित भी किया।

नि:बंध प्रतियोगिता में कुमारी लक्षिका तथा कुमारी आकांक्षा ने संयुक्त रूप से प्रथम, कुमारी प्रिया कुशवाहा ने द्वितीय तथा सिया राणा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। महक को सांत्वना पुरस्कार मिला। वाद विवाद प्रतियोगिता में मनीषा ने प्रथम स्थान, नेहा ने द्वितीय स्थान, दीपिका ने तृतीय स्थान तथा कुमारी आकांक्षा ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय की प्रधानाचार्य श्रीमती आरती चितकारिया ने छात्राओं को गढ़वाली अनाज की पैदावार, तथा गढ़वाली पारंपरिक भोजन की उपयोगिता एवं पौष्टिकता के विषय में छात्राओं को महत्वपूर्ण जानकारी दी।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक पूजा अग्रवाल द्वारा किरण प्रिंटिंग प्रेस, विष्णु गार्डन, निकट गुरूकुल कांगड़ी फार्मेसी, कनखल-हरिद्वार से मुद्रित कराकर नक्षत्रम् निकट रामऔषधालय, मौ0 होली, कनखल-हरिद्वार से प्रकाशित किया।

सम्पादक

पूजा अग्रवाल

मोबाइल- 9359380850